आउटकम/परफॉरमेन्स बजट 2024–25 (प्राविधानित बजट)
(सामान्य + अनुसूचित जाति + अनुसूचित जनजाति)

विभाग का नामः– उद्यान विभाग

मुख्य एस0डी0जी0 – 02 भूखमरी समाप्त करना

क0 सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट (रू0 लाख में)		01.04.2023 की भौतिक स्थिति	31.03.2024 सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2024–25	समय सीमा
			राजस्व	पूँजीगत					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
अ) उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग									
1) केन्द्रीय योजनायें (प्राविधानित बजट):–									
1	प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना (PMFME)	सूक्ष्म खाद्य प्रस्संकरण इकाइयों की स्थापना।	2321.59	-	231 इकाई	706 इकाई	700 इकाई	खाद्य प्रसंस्करण क्षमता में वृद्धि करना	वित्तीय वर्ष 2024–25
2	प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (Per Drop More Crop)	सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली स्थापना।	0.03	-	–	–	–	–	वित्तीय वर्ष 2024–25
3	राष्ट्रीय उद्यान मिशन Mission for Integrated Development (MIDH) HMNEH		4480.00	-					वित्तीय वर्ष 2024–25
i.	अति सघन/सघन फल क्षेत्रफल विस्तार (है0)	औद्यानिक फसलों (फल,सब्जी,मसला, पुष्प) का क्षत्रेफल विस्तार कर उत्पादन बढ़ावा			275	175	2625 है0 में फल, सब्जी, मसाला एवं पुष्प आदि का क्षेत्रफल विस्तार	औद्यानिक फसलों के उत्पादन एवं उत्पादकता में गुणात्मक वृद्धि करना।	
ii.	सामान्य फल क्षेत्रफल विस्तार (है0)				675	835			
iii.	सब्जी क्षेत्रफल विस्तार (है0)				700	1580			
iv.	पुष्प क्षेत्रफल विस्तार (है0)				140	290			
v.	मसाला क्षेत्रफल विस्तार (है0)				285	400			
vi.	पुराने उद्यानों की जीर्णोद्धार (है0)	उत्पादन व उत्पादकता में वृद्धि करनां			100	160	पुराने अनुत्पादक उद्यानों का जीर्णोद्धार कर क्षेत्र को उत्पादन में लाना।		
vii.	मशरूम उत्पादन इकाई स्थापना (सं0)	मशरूम उत्पादन को बढ़ाव देकर, कृषकों की आय में वृद्धि करना।			7	12	08 मशरूम इकाईयों की स्थापना		
viii.	जल स्त्रोतों का सृजन (सं0)	सिंचाई सुविधाओं के विकास हेतु कृषकों को नये ट्यूबवैल की स्थापना हेतु राज सहायता प्रदान करना।			85	100	सिंचाई सुविधा सुनिश्चित करने हेतु 75 जल स्त्रोतों का सृजन		

क0 सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट (रू0 लाख में)		01.04.2023 की भौतिक स्थिति	31.03.2024 सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2024–25	समय सीमा
			राजस्व	पूँजीगत					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
ix.	पॉलीहाउस स्थापना (वर्गमीटर)				82000	–	49000 वर्गमीटर पॉलीहाउस		
x.	शेडनेट हाउस स्थापना (वर्गमीटर)	ट्यूवलर बनावट, प्रकोष्ट संरचना एवं बॉक्स की संरचना पर राज सहायता प्रदान करना।			–	–	8000 वर्गमीटर शैडनेट हाउस		
xi.	एन्टी हेलनेट स्थापना (वर्गमीटर)	फलों एवं सब्जी फसलों की ओलों की सुरक्षा हेतु एन्अी हेल नेट पर राज सहायता उपलब्ध करना।			3000000	4500000	35.00 लाख वर्गमीटर एन्टीहेलनेट		
xii.	प्लास्टिक मल्चिंग (है0)	नमी को रोकने एवं प्रकाश संश्लेषण को बढ़ावा देने हेतु जमीन को प्लास्टिक शीट से ढ़कना			800	1600	1000 है0 प्लास्टिक मल्चिंग		
xiii.	औद्यानिक यन्त्रीकरण (सं0)	विभिन्न औद्यानिक मशीनों/पावर टिलर/ ट्रैक्टर/ औद्यानिकी हेतु स्वचालित मशीन आदि हेतु राज सहायता प्रदान करना।			262	565	औद्यानिक यन्त्रीकरण को बढ़ावा देते हुए श्रम लागत में कमी हेतु 501 औद्यानिक यन्त्रों का वितरण।		
xiv.	प्रशिक्षण (सं0)				2250	2250	विभिन्न औद्यानिकी गतिधियों की नवीनतम तकनीकी जानकारी से लाभान्वित करते हुए 1850 कास्तकारों को प्रशिक्षित करना।		
xv.	तुडाई उपरान्त प्रबन्धन (सं0)				501	291	औद्यानिक फसलों में तुड़ाई उपरान्त प्रबन्धन, विपणन एवं प्रसंस्करण को बढ़ावा देने हेतु अवस्थापना सुविधाओं का सृजन।		
xvi.	खाद्य प्रसंस्करण इकाई स्थापना (सं0)				1	2			
xvii.	विपणन व्यवस्था (सं0)				6	–			
		योग केन्द्रपोषित योजना	**6801.62**	**0.00**					

क0 सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट (रू0 लाख में)		01.04.2023 की भौतिक स्थिति	31.03.2024 सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2024–25	समय सीमा
			राजस्व	पूँजीगत					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
2) राज्य सैक्टर (प्राविधानित बजट)									
1	अधिष्ठान (2401001190313,0334,11929,30 सम्मिलित)		16051.50		लगभग 3550 कार्मिकों के वेतन भत्ते का भुगतान	लगभग 3550 कार्मिकों के वेतन भत्ते का भुगतान	लगभग 3550 कार्मिकों के वेतन भत्ते का भुगतान	कर्मचारियों के वेतन भत्ते उपलब्ध कराना।	वित्तीय वर्ष 2024–25
	मृदा प्रयोगशाला में मृदा परीक्षण कार्य की योजना				मिट्टी में मुख्य/सूक्ष्म तत्वों का परीक्षण	मिट्टी में मुख्य/सूक्ष्म तत्वों का परीक्षण	मिट्टी में मुख्य/सूक्ष्म तत्वों का परीक्षण	मृदा सैम्पलों का परीक्षण करना।	
2	राजभवन के उद्यानों का अनुरक्षण (भारित)		317.36						वित्तीय वर्ष 2024–25
3	राजकीय उद्यानों का सुदृढीकरण		775.96	200.00					
	1–फल पौध उत्पादन (नई प्रजातियों सहित)	पौध रोपण सामग्री का उत्पादन			4.33 लाख फल पौध	10.00 लाख फल पौध	16.00 लाख फल पौध	उन्नत किस्म की रोपण सामग्री का उत्पादन।	वित्तीय वर्ष 2024–25
	2–सब्जी बीज उत्पादन				293.73 कु0 बीज	500 कु0 बीज	550 कु0 बीज	उन्नत किस्म के बीजों का उत्पादन।	
	3–आलू बीज उत्पादन				885.02 कु0 आलू बीज	4000 कु0 आलू बीज	4200 कु0 आलू बीज	रोगरहित आलू एवं रसायन उपलब्ध कराना।	
	4–सब्जी पौध उत्पादन				232.07 लाख सब्जी पौध	200.00 लाख सब्जी पौध	200.00 लाख सब्जी पौध	उन्नत किस्म के सब्जी पौंध उपलब्ध कराना।	
4	राजकीय परिसरों का सौन्दर्यीकरण (2401001190305, 0306, 0341 सम्मिलित)	सचिवालय, मा0 मुख्यमंत्री आवास, विधानसभा एवं मा0 उच्च न्यायालय के परिसरों का सौन्दर्यीकरण करना।	225.50	-				सचिवालय, मा0 मुख्यमंत्री आवास, विधानसभा एवं मा0 उच्च न्यायालय के परिसरों का सौन्दर्यीकरण करना।	वित्तीय वर्ष 2024–25
5	उत्तर फसल प्रबंधन		375.00	-					वित्तीय वर्ष 2024–25
	कोरोगेटेड बॉक्स वितरण				5.39 लाख कोरोगेटेड बॉक्स	6.00 लाख कोरोगेटेड बॉक्स	8.00 लाख कोरोगेटेड बॉक्स	औद्यानिक उत्पाद हेतु पैकिंग सामग्री	

क0 सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट (रू0 लाख में)		01.04.2023 की भौतिक स्थिति	31.03.2024 सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2024–25	समय सीमा
			राजस्व	पूँजीगत					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
6	उद्यान बीमा योजना (50 प्रतिशत राज्यांश)	औद्यानिक फसलों – सेब, आम,आड़ू, माल्टा, मौसमी, सन्तरा, लीची, अमाटर,अदरक, आलू, फ्रैंचबीन, मटर एवं मिर्च का मौसम आधारित बीमा कराना।	2000.00	-	1.30 लाख लाभार्थी	1.40 लाख लाभार्थी	1.50 लाख लाभार्थी	औद्यानिक फसलों का बीमा कराकर क्षतिपूर्ति का भुगतान करना।	वित्तीय वर्ष 2024–25
7	राज्य खाद्य प्रसंस्करण योजना (2401001190339, 11912 सम्मिलित)	राज्य में खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों को बढ़ावा देना चूंकि औद्यानिक उत्पाद शीघ्र खराब होने की प्रवृर्ति होती है। वर्तमान में लगभग 20–25 प्रतिशत	400.00	-	प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन	प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन	प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन	औद्यानिक उत्पादों के प्रसंस्करण में वृद्धि करना तथा रोजगार सृजन।	वित्तीय वर्ष 2024–25
	मेगा फूड पार्क	मेगा फूड पार्क के अन्तर्गत देय राज्य सहायता			5 इकाई	6 इकाई	8 इकाई	प्रसंस्करण क्षमता में वृद्वि।	
8	उत्तराखण्ड औद्यानिक विपणन बोर्ड (24010011928 सम्मिलित)		200.01	-	उत्तराखण्ड औद्यिनिक वोर्ड के कियाकलापों हेतु	उत्तराखण्ड औद्यिनिक वोर्ड के कियाकलापों हेतु	उत्तराखण्ड औद्यिनिक वोर्ड के कियाकलापों हेतु	ब्राण्डिंग, क्रय–विक्रय कराकर कृषकों की आय में वृद्वि।	वित्तीय वर्ष 2024–25
	कृषि एवं उद्यान उत्पादों के समर्थन मूल्य की योजना (उत्तराखण्ड औद्यानिकी परिषद भी सम्मिलित)	सी–ग्रेड फलों का उचित मूल्य दिलाना			कृषि एवं उद्यान उत्पादों के समर्थन मूल्य की योजना	50 मै0 टन	1000 मै0टन कृषि एवं उद्यान उत्पादों के समर्थन मूल्य की योजना	सी–ग्रेड फलों का उचित मूल्य दिलाना	वित्तीय वर्ष 2024–25
9	उच्च गुणवत्तायुक्त फल पौधों की योजना		1000.02	-	–	4.00 लाख फल पौध	10.00 लाख फल पौध	उच्च गुणवत्तायुक्त फल पौध रोपण सामग्री वितरित कर उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि।	वित्तीय वर्ष 2024–25
10	मुख्यमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना	पर्वतीय क्षेत्रों में असंगठित खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को संगठित करते हुए खाद्य प्रसंस्करण क्षमता में वृद्धि	764.18	-	–	–	400 इकाई	पर्वतीय क्षेत्रों में स्वरोजगार सृजन हेतु सूक्ष्म खाद्य उद्यमों की स्थापना व खाद्य प्रसंस्करण क्षमता में वृद्धि।	वित्तीय वर्ष 2024–25

क0 सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट (रू0 लाख में)		01.04.2023 की भौतिक स्थिति	31.03.2024 सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2024–25	समय सीमा
			राजस्व	पूँजीगत					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
11	सघन पौंध रोपण हेतु फल पौंध सामग्री का आयात	फल पौध रोपण सामग्री का आयात	0.02	-	–	–	–	–	वित्तीय वर्ष 2024–25
12	मधुमक्खी पालन की योजना (24010011935, 1190328 सम्मिलित)	1. फलों के उत्पादन बढाने के लिए परपरागण एवं शहद उत्पादन हेतु 01 है0 क्षेत्र में 04 मौन बक्सों को रखा जाना। 2. मौन बाक्स मौन कालोनियों का वितरण। 3. मौनपालन का 07 दिवसीय प्रशिक्षण	83.50	-					वित्तीय वर्ष 2024–25
	1–परपरागण हेतु मौनवंश वितरण				2250 मौनवंश	4000 मौनवंश	4200 मौनवंश		
	2–मौनवंशों व मौनगृह का वितरण				1125 मौनवंशों व मौनगृह	1000 मौनवंशों व मौनगृह	1200 मौनवंशों व मौनगृह		
	3–मौनपालन में प्रशिक्षण				805 मौनपालक प्रशिक्षण	500 मौनपालक प्रशिक्षण	600 मौनपालक प्रशिक्षण		
	उत्तराखण्ड मधुमक्खी परिषद की योजना				परिषद के देवको का भुगतान	परिषद के देवको का भुगतान	परिषद के देवको का भुगतान	परिषद के देयको का भुगतान।	
	प्रत्येक जनपद में न्याय पंचायत स्तर पर मधु ग्राम की स्थापना (1) मौन बोक्स/कालोनी (मधुपालन की योजना भी सम्मिलित)				–	–	6500 मौन बाक्स	बेरोजगारो हेतु रोजगार सृजन कराना शहद एवं उत्पादन एवं फसलों की उत्पादक्ता वृद्धि	
13	मशरूम उत्पादन एंव विपणन की योजना	1. मशरूम उत्पादनों को पाश्चुराईज्ड कम्पोस्ट उपलब्ध कराना 2. स्पान (बीज) वितरण 3. 07 दिवसीय प्रशिक्षण	69.01	-	प्रशिक्षण एवं सामाग्री उपलब्ध कराना	प्रशिक्षण एवं सामाग्री उपलब्ध कराना	प्रशिक्षण एवं सामाग्री उपलब्ध कराना	कृषकों की आय में वृद्वि करना। मशरूम उत्पादन को बढावा।	वित्तीय वर्ष 2024–25
	1–पाश्चुराइज्ड कम्पोस्ट निर्माण				242.60 मै0 टन	250 मै0 टन	275 मै0 टन		
	2–स्पान निर्माण				3851 कि0ग्रा0	3000 कि0ग्रा0	3200 कि0ग्रा0		
	3–मशरूम प्रशिक्षण				1727	2500	2500		
14	मेहल एवं अन्य फलों (आवंला, आम) के ढॉचा रोपण की योजना	मेहल, आवंला, आम फलों के उत्पादन में वृद्धि।	0.01	-	–	–	–	फल उत्पादन में वृद्धि।	वित्तीय वर्ष 2024–25
15	मिशन एप्पल योजना	सेब की अति सघन बागवानी को बढ़ावा देते हुए उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि।	3500.00	-	37 इकाई स्थापना	100 इकाई स्थापना	200 इकाई स्थापना	उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि।	वित्तीय वर्ष 2024–25

क0 सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट (रू0 लाख में)		01.04.2023 की भौतिक स्थिति	31.03.2024 सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2024–25	समय सीमा
			राजस्व	पूँजीगत					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
16	मुख्यमंत्री एकीकृत बागवानी विकास योजना (2401001190323, 0325, 0329, 0330, 0331, 0333, 0335, 0336, 0340, 11914 सम्मिलित)	कृषकों को फल पौध, सब्जी, मसाला, बीज, पुष्प बीज/ बल्व 50 प्रतिशत राजसहायता पर, कीटनाशक रसायन 60 प्रतिशत राजसहायता पर उपलब्ध कराना	1000.00	-	फल पौध वितरण–7.97 लाख, सब्जी बीज वितरण–1639.16 कु0, आलू बीज वितरण–3412.00 कु0,	फल पौध वितरण–8.50 लाख, सब्जी बीज वितरण–1100 कु0, आलू बीज वितरण–3500 कु0	फल पौध वितरण–9.00 लाख, सब्जी बीज वितरण–1500 कु0, आलू बीज वितरण–4000 कु0,	उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्वि।	वित्तीय वर्ष 2024–25
	ग्रीन हाउस की पॉलीथीन बदलाव योजना				30606.67 वर्गमी0	70000 वर्गमी0	75000 वर्ग मी0	पुराने पॉलीहाउसों की पॉलीथीन बदलना।	
	फल पौंधशालाओं की स्थापना	राज्य में छोटी (0.2 है0 से 1.0 है0 तक) नयी फल पौधशालाओं की स्थापना			–	–	–	गुणवत्तायुक्त रोपण सामग्री उत्पादन कर कृषकों में वितरण करना।	
	अखरोट एवं अन्य गिरीदार फलों (नट फ्रुट्स) के सर्वांगीण विकास हेतु मिशन	राज्य में अखरोट, बादाम तथा पिकननट की खेती को बढ़ावा देने हेतु पौधशालाओं की स्थापना व क्षेत्रफल विस्तार हेतु राज सहायता उपलब्ध करना						गुणवत्तायुक्त रोपण सामग्री उत्पादन कर कृषकों में वितरण करना।	
	1–क्षेत्रफल विस्तार				–	–	–		
	2–पौधशाला स्थापना				–	–	–		
	मशाला, मिर्च उत्पादन हेतु प्रोत्साहन राशि की योजना	प्रदेश में उच्च गुणवत्तायुक्त मसाला मिर्च (लाल मिर्च) की खेती को बढ़ावा देने हेतु कृशकों को प्रोत्साहन राशि देना			–	300 कु0	300 कु0	उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि कर प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन करना।	
	वर्मी कम्पोस्ट इकाईयों की स्थापना	जैविक खेती को बढ़ावा देने हेतु वर्मी कम्पोस्ट इकाई स्थापना			300 संख्या	500 संख्या	500 संख्या	जैविक खेती को बढ़ावा देने हेत वर्मी कम्पोस्ट निर्माण करना।	
	उद्यानों की घेरबाड़ योजना	जगंली जानवारों क बचाव हेतु उद्यानों की घेरबाड़ हेतु राजसहायता।			355.67 है0 में घेरबाड	400 है0 में घेरबाड	400 है0 में घेरबाड	फसलों की सुरक्षा कर कृषकों की आय में वृद्वि।	

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट (रू0 लाख में)		01.04.2023 की भौतिक स्थिति	31.03.2024 सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2024–25	समय सीमा
			राजस्व	पूँजीगत					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
17	औद्यानिक उत्पादों का ढुलान	पर्वतीय क्षेत्र से रोड/ मण्डी तक ढुलान पर अनुदान	5.00	-	–	–	–	ढुलान पर कृषकों पर पड़ने वाली आर्थिक हानि की प्रतिपूर्ति हेतु ढुलान पर राजसहायता।	वित्तीय वर्ष 2024–25
18	प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना (PMFME) – 10 प्रतिशत राज्यांश	पर्वतीय क्षेत्रों में असंगठित खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को संगठित करते हुए खाद्य प्रसंस्करण क्षमता में वृद्धि	191.50	-	–	–	700 इकाई	पर्वतीय क्षेत्रों में स्वरोजगार सृजन हेतु सूक्ष्म खाद्य उद्यमों की स्थापना व खाद्य प्रसंस्करण क्षमता में वृद्धि।	वित्तीय वर्ष 2024–25
19	राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड एपिडा आदि द्वारा वित्त पोषित योजना पर 20 प्रतिशत राज्यांश (2401001190316, 0322, 0342, 11923 सम्मिलित)		392.57	-			प्रस्ताव आधारित		वित्तीय वर्ष 2024–25
	मुख्यमंत्री संरक्षित उद्यान विकास योजना (30 प्रतिशत राज्यांश) (मैचिंग ग्रान्ट भी सम्मिलित)	पालीहाउस के अन्दर सब्जी एवं पुष्पों का उत्पादन करना।			73,900 वर्ग मी0	75000 वर्ग मी0	78000 वर्ग मी0	पॉलीहाउसों का निर्माण करना।	
	बोरवैल की स्थापना की योजना (मैचिंग ग्रान्ट भी सम्मिलित)	सिंचाई सुविधा हेतु कृषकों को बोरवैल स्थापना हेतु सहायता।			43 बोरवैल निर्माण	–	–	बोरबैल की स्थापना कर सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराना।	
	प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (Per Drop More Crop) 25 प्रतिशत राज्यांश	पौधों की आवश्यकतानुसार जल एवं खाद का वितरण उनकी जड़ो तक पहुचानते हुए कम समय में अधिकतम क्षेत्र की सिंचाई खरपतवार नियन्त्रण एवं गुणवत्तायुक्त उत्पादन एवं पैदावार में वृद्धि करना।			–	–	–	–	
	एण्टी हेलनेट की योजना (25 प्रतिशत राज्यांश) (मैचिंग ग्रान्ट भी सम्मिलित)	कृषकों/ उद्यानपतियों की फसलों को ओलावृष्टि से बचाव हेतु एण्टी हेलनेट हेतु सहायता			15.50 लाख वर्गमीटर एन्टी हेलनेट	45.00 लाख वर्गमीटर एन्टी हेलनेट	35.00 लाख वर्गमीटर एन्टी हेलनेट	फसलों की सुरक्षा कर कृषकों की आय में वृद्धि।	

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट (रू0 लाख में)		01.04.2023 की भौतिक स्थिति	31.03.2024 सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2024–25	समय सीमा
			राजस्व	पूँजीगत					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
20	प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अन्तर्गत PDMC घटक (10 प्रतिशत राज्यांश)	सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली स्थापना।	0.03	-	–	–	–	–	वित्तीय वर्ष 2024–25
21	राष्ट्रीय उद्यान मिशन (10 प्रतिशत राज्यांश)	औद्यानिकी का समग्र विकास	496.50	-	–	–	–	औद्यानिकी का समग्र विकास	वित्तीय वर्ष 2024–25
22	नाबार्ड पोषित	उच्च गुणवत्तायुक्त उत्पादन में वृद्धि तथा उत्तर फसल प्रबन्धन हेतु अवस्थापना सुविधाओं का विकास	500.00	9500.00	–	21,398 पॉलीहाउस स्थापना	21,398 पॉलीहाउस स्थापना, प्रस्ताव आधारित कूल हाउस, पैक हाउस, उत्कृष्ठता केन्द्र आदि की स्थापना।	संरक्षित खेती के अन्तर्गत उच्च गुणवत्तायुक्त सब्जी एवं पुष्प उत्पादन को बढ़ावा तथा भण्डारण क्षमता में वृद्वि कर कृषकों की आय वृद्वि एवं गुणवत्तायुक्त पौध रोपण सामग्र का उत्पादन।	वित्तीय वर्ष 2024–25
23	रोगरहित आलू बीज/कीटनाशक औषधियों की लागत	निवेशों का क्रय कर कृषकों को उपलब्ध करना।	-	900.00	–	–	निवेशों का वितरण	निवेशों का क्रय कर कृषकों को उपलब्ध कराने के उपरान्त धनराशि वापस राजकोष में जमा की जाती है।	वित्तीय वर्ष 2024–25
24	रोपवे का निर्माण	कृषकों के उत्पादों के औद्यानिक उत्पादों की सुगमतापूर्वक विपणन व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु रोपवे निर्माण।	-	100.00	–	–	04	कृषकों के उत्पादों के औद्यानिक उत्पादों की सुगमतापूर्वक विपणन व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु रोपवे निर्माण।	वित्तीय वर्ष 2024–25

क0 सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट (रू0 लाख में)		01.04.2023 की भौतिक स्थिति	31.03.2024 सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2024–25	समय सीमा
			राजस्व	पूँजीगत					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
25	मुख्यमंत्री एकीकृत बागवानी विकास योजना (नई योजना)	निःशुल्क फल पौध वितरण करते हुए उत्पादन में वृद्धि।	-	400.00	5.21 लाख फल पौध	6.00 लाख फल पौध	6.00 लाख फल पौध	पौध रोपण कर उत्पादन में वृद्धि।	वित्तीय वर्ष 2024–25
26	सघन एंव बैमोसमी सब्जी उत्पादन का विकास (अनु0ज0/अ0जनजाति)	सब्जी के उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि करना।	43.50	-	200 कु0 सब्जी/ मसाला बीज वितरण	250 कु0 सब्जी/ मसाला बीज वितरण	300 कु0 सब्जी/ मसाला बीज वितरण	सब्जी के उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि करना।	वित्तीय वर्ष 2024–25
27	उत्तराखण्ड मे जनजाति क्षेत्रों/व्यक्तिगत विकास हेतु औद्यानिक विकास पर राजसहायता	उत्तराखण्ड मे जनजाति क्षेत्रों में औद्यानिक विकास	67.50	-	–	–	–	उत्तराखण्ड मे जनजाति क्षेत्रों में औद्यानिक विकास	वित्तीय वर्ष 2024–25
	क–औद्यानिक विकास	फलों के उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि करना			–	50 है0 फलों का क्षेत्रफल विस्तार	100 है0 फलों का क्षेत्रफल विस्तार	फलों के उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि करना।	
	ख–आलू विकास	आलू के उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि कर रोजगार सृजन			–	50 है0	50 है0	आलू के उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि कर रोजगार सृजन।	
28	उद्यानों की घेरबाड़ योजना (अनु0ज0/अ0जनजाति)	जगंली जानवारों क बचाव हेतु उद्यानों की घेरबाड़ हेतु राजसहायता।	60.00	-	73.25 है0 में घेरबाड	100 है0 में घेरबाड	100 है0 में घेरबाड	फसलों की सुरक्षा कर कृषकों की आय में वृद्वि।	वित्तीय वर्ष 2024–25
29	प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (Per Drop More Crop) 25 प्रतिशत अतिरिक्त राज्यांश (अनु0ज0/अ0जनजाति)	सीमित जल के उपयोग से सिंचाई व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए जल व श्रृम लागत में कमी।	2029.43	-	–	–	–	सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली को बढ़ावा।	वित्तीय वर्ष 2024–25
30	उत्तराखण्ड बागवानी विकास परिषद	माननीय उपाध्यक्ष के वेतन भत्ते आदि	20.00	-	–	–	–	–	–
		योग राज्य सैक्टर	**30568.10**	**11100.00**					

क0 सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट (रू0 लाख में)		01.04.2023 की भौतिक स्थिति	31.03.2024 सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2024–25	समय सीमा
			राजस्व	पूँजीगत					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
स) बाह्य सहायतित									
1	उद्यान विभाग की बाह्य सहायतित परियोजना (जायका)	औद्यानिकी के समग्र विकास हेतु परियोजनान्तर्गत चयनित जनपदों में उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि हेतु विभिन्न गतिविधियॉ संचालित करना।	2000.00	2000.00		चयनित जनपद उत्तरकाशी, टिहरी, नैनीताल व पिथौरागढ़ में योजना संचालित की जायेगी।	चयनित जनपद उत्तरकाशी, टिहरी, नैनीताल व पिथौरागढ़ में योजना संचालित की जायेगी।	उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्वि।	वित्तीय वर्ष 2024–25
		योग बाह्य सहायतित	**2000.00**	**2000.00**					
		कुल योग उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण (केन्द्रपोषित + राज्य सैक्टर + बाह्य सहायतित)	**39369.72**	**13100.00**					
ब) जड़ी–बूटी शोध एवं विकास संस्थान									
1.	56–सहायक अनुदान (सामान्य गैर वेतन)	जडी–बूटी शोध एवं विकास संस्थान द्वारा जड़ी–बूटी कृषिकरण संरक्षण, शोध एवं विकास और संग्रहण व विपणन सम्बन्धी प्रयोजन	800.02	-	45 नियमित कार्मिक, एवं 09 संविदा कार्मिकों के वेतन भत्ते का भुगतान	45 नियमित कार्मिक, एवं 09 संविदा कार्मिकों के वेतन भत्ते का भुगतान	45 नियमित कार्मिक, एवं 09 संविदा कार्मिकों के वेतन भत्ते का भुगतान	कर्मचारियों के वेतन भत्ते उपलब्ध कराना।	वित्तीय वर्ष 2024–25
2.	27–जडी–बूटी शोध एवं विकास संस्थान को अनुदान/औषधीय कलस्टर विकास हेतु अनुदान	जडी–बूटी कृषिकरण को बढावा देते हुए चयनित औषधीय पादपों के नये कलस्टरों की स्थापना।	-	-	परिश्रमिक का भुगतान	पारिश्रमिक का भुगतान	पारिश्रमिक का भुगतान	पारिश्रमिक का भुगतान करना	वित्तीय वर्ष 2024–25
3.	केन्द्र पोषित राष्ट्रीय आयुष मिशन औषधीय पादप संघटक	औषधीय पादपों के कलस्टर आधारित कृषिकरण, पौधशाला स्थापना, प्रशिक्षण एवं जनजागरूकता कार्यक्रम	0.01	-	कृषिकरण–217.00 है0 पंजीकरण –1375 कृषक औषधीय पादप का उत्पादन–10.92 लाख पौध औषधीय बीज उत्पादन–91.7 किग्रा0 औषधीय पादपों का वितरण 6.58 लाख औषधीय पादपों के बीज का वितरण– 150.00 किग्रा0 (3929 कृषक) प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन–289 (6430 कृषक)	कृषिकरण–500 है0 पंजीकरण –1200 कृषक औषधीय पादप का उत्पादन–20 लाख पौध औषधीय बीज उत्पादन–150.00 किग्रा0 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन–78	कृषिकरण–900 है0 पंजीकरण –1500 कृषक औषधीय पादप का उत्पादन–25 लाख पौध औषधीय बीज उत्पादन–150.00 किग्रा0 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन–78	कृषिकरण–900 है0 पंजीकरण –1000 कृषक औषधीय पादप का उत्पादन–25 लाख पौध औषधीय बीज उत्पादन–150.00 किग्रा0 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन–78	वित्तीय वर्ष 2024–25
		योग जड़ी–बूटी शोध एवं विकास संस्थान	**800.03**	-					

क0 सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट (रू0 लाख में)		01.04.2023 की भौतिक स्थिति	31.03.2024 सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2024–25	समय सीमा
			राजस्व	पूँजीगत					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
स) सगन्ध पौधा केन्द्र सेलाकुई, देहरादून									
1.	सगन्ध पौधा केन्द्र को अनुदान एवं सगन्ध पौधों के क्लस्टर विकास (09 से स्थानान्तरित) एवं वेतन भत्ते	सगन्ध पादपों की खेती को बढावा एवं रोजगार सृजन, कृषको की आय वृद्धि करना।	2450.00	-	क्षेत्रफल विस्तार–1210 हैक्टेयर	क्षेत्रफल विस्तार–1300 हैक्टेयर	क्षेत्रफल विस्तार–2000 हैक्टेयर	कृषि भूमियों, में सगन्ध कृशिकरण/इन्टरक्रापिंग द्वारा लगभग 6000 कृशकों की आय में वृद्धि 1. उत्पादित फसलों के आसवन से लगभग रू0 87 करोड के सगन्ध हर्ब/फूल /पत्ती एवं तेल का उत्पाद होगा तथा लगभग 10000 स्थानीय निवासियों को परोक्ष/अपरोक्ष रूप में रोजगार प्राप्त होगा 2. फसल विशेष अधारित 05 सेटेलाईट सेन्टरों की स्थापना से कृषकों को स्थानीय स्तर पर, गुणवत्तायुक्त बीज–पौध, प्रशिक्षण, आसवन सुविधा आदि उपलब्ध होगी, जिससे कृषकों की आय में वृद्धि होगी।	वित्तीय वर्ष 2024–25
					कृषकों की संख्या–4318	कृषकों की संख्या–5500	कृषकों की संख्या–6000		
					सगन्ध हर्ब/फूल /पत्ती एवं तेल का उत्पादन–1616 टन	सगन्ध हर्ब/फूल /पत्ती एवं तेल का उत्पादन – 800 टन	सगन्ध हर्ब/फूल /पत्ती एवं तेल का उत्पादन – 1700 टन		
					सगन्ध फसलों का आसवन–73810	सगन्ध फसलों का आसवन–80000	सगन्ध फसलों का आसवन–98000		
					रोजगार सृजन–6051नं0	रोजगार सृजन–6500 नं0	रोजगार सृजन–10000 नं0		
					सगन्ध फसल सुधार एग्रोनॉमिकल ट्रॉयल–04 नं0	सगन्ध फसल सुधार एग्रोनॉमिकल ट्रॉयल–03 नं0	सगन्ध फसल सुधार एग्रोनॉमिकल ट्रॉयल–04 नं0	सगन्ध फसलों की उच्च गुणवत्ता एवं अधिक पैदावार वाली प्रजातियों का विकास तथा उनकी गुड एग्रोनोमिकल प्रेक्टिस तैयार होंगी। 1. हिमालय परिक्षेत्र के विभिन्न जलवायु क्षेत्रों में पाये जाने वाले सगन्ध पौधों के रासायनिक गुणों का चिन्हीकरण कर खाद्य, सुगन्ध एवं सुरस तथा फार्मा उद्योगों में उनसे	
					वैराईटल ट्रॉयल–06	वैराईटल ट्रॉयल–08	वैराईटल ट्रॉयल–4		
					उत्तराखण्ड के व्यवसायिक रूप से महत्वपूर्ण जैव सुगन्धित पौधों का अध्ययन करना– 1 नं0	उत्तराखण्ड के व्यवसायिक रूप से महत्वपूर्ण जैव सुगन्धित पौधों का अध्ययन करना– 01 नं0	उत्तराखण्ड के व्यवसायिक रूप से महत्वपूर्ण जैव सुगन्धित पौधों का अध्ययन करना– 02 नं0		
					Himalayan minor essential Oil के व्यवसायिक उपयोगों पर अध्ययन–03 नं0	Himalayan minor essential Oil के व्यवसायिक उपयोगों पर अध्ययन–03 नं0	Himalayan minor essential Oil के व्यवसायिक उपयोगों पर अध्ययन–04 नं0		

क0 सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट (रू0 लाख में)		01.04.2023 की भौतिक स्थिति	31.03.2024 सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2024–25	समय सीमा
			राजस्व	पूँजीगत					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
					सुगन्धित फसलों के ऐग्रोनोमिल एवं वेराईटल परीक्षणों के दौरान उनके तेल उत्पादन और रसायनिक प्रोफाइलिंग का अध्ययन– 03 नं0	सुगन्धित फसलों के ऐग्रोनोमिल एवं वेराईटल परीक्षणों के दौरान उनके तेल उत्पादन और रसायनिक प्रोफाइलिंग का अध्ययन– 03 नं0	सुगन्धित फसलों के ऐग्रोनोमिल एवं वेराईटल परीक्षणों के दौरान उनके तेल उत्पादन और रसायनिक प्रोफाइलिंग का अध्ययन– 04 नं0	नये उत्पादों का विकास हो सकेगा। 2. स्थानीय ऐरोमेटिक फ्लोरा के व्यवसायीकरण द्वारा स्थानीय निवासियों को सामाजिक/आर्थिक लाभ मिलेगा।	
					गुणवत्ता विश्लेषण और प्रमाणीकरण– 3007 नं0	गुणवत्ता विश्लेषण और प्रमाणीकरण– 600 नं0	गुणवत्ता विश्लेषण और प्रमाणीकरण– 650 नं0	गुणवत्ता प्रमाणीकरण से कृषकों एवं उद्यमियों को उत्पाद के विपणन में आसानी तथा बाजार में उचित मूल्य प्राप्त होगा	
					डेबलपमेन्ट ऑफ प्रोसेस मेथड–03	डेबलपमेन्ट ऑफ प्रोसेस मेथड–02	डेबलपमेन्ट ऑफ प्रोसेस मेथड–02	Improved process methods विकसित होगे जिससे उत्पाद के गुणवत्ता में वृद्धि होगी तथा कृषकों को आर्थिक लाभ होगा।	
					लघु शोध (डिजरटेशन) कार्य– 07	लघु शोध (डिजरटेशन) कार्य– 06	लघु शोध (डिजरटेशन) कार्य– 07	सगन्ध सेक्टर में विद्यार्थियों को प्रयोगात्मक प्रशिक्षण प्रदान कर मानव संसाधन विकसित करना।	
					पौध –37.90 लाख बीज– 2.34 कुन्तल	पौध –36 लाख बीज–04 कुन्तल	पौध –37 लाख बीज –04 कुन्तल	• सगन्ध फसलों की खेती हेतु कृषकों को गुणवत्तायुक्त बीज–पौध प्राप्ति • सगन्ध फसलों की खेती कर रहे कृषकों द्वारा पौध विक्रय से अतिरिक्त लाभ प्राप्त होगा	
					130 लाख	110 लाख	115 लाख		
					बैच –268 कृषक– 5275	बैच–196, कृषक– 5531	बैच–155, कृषक– 4100	कृषकों में सगन्ध फसलों के कृषिकरण हेतु रूझान तथा सगन्ध कृषिकरण, आसवन, मार्केटिंग आदि विषयों पर प्रशिक्षण से सगन्ध क्षेत्र विस्तार होगा।	

क0 सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट (रू0 लाख में)		01.04.2023 की भौतिक स्थिति	31.03.2024 सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2024–25	समय सीमा
			राजस्व	पूँजीगत					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
					02 नं0	01 नं0	01 नं0	कृषकों, उद्यमियों एवं इस सेक्टर में कार्यरत शोध संस्थाओं के मध्य सामंजस्य स्थापना से कृषक लाभांवित होंगे।	
					15 नं0	01 नं0	01 नं0		
					09 नं0	12 नं0	14 नं0	ऐरोमा कलस्टरों में आसवन स्थापना द्वारा कृशकों की फसल का उनके खेत पर ही मूल्य संवर्धन होगा, जिससे उत्पाद के ट्रान्सपोर्टशन में सुविधा तथा कृशकों में उद्यमिता का विकास होगा।	
2.	05–वेतन भत्ते आदि के लिए सहायक अनुदान 08–पारिश्रमिक	केन्द्र में कार्यरत कार्मिकों को वेतन भत्ते तथा कार्यालय संचालन हेतु व्यय।	-	-	विभाग के कार्यरत कार्मिकों के वेतन भत्ते आदि का भुगतान	विभाग के कार्यरत कार्मिकों के वेतन भत्ते आदि का भुगतान	विभाग के कार्यरत कार्मिकों के वेतन भत्ते आदि का भुगतान	कर्मचारियों के वेतन भत्ते उपलब्ध कराना।	वित्तीय वर्ष 2024–25
		योग सगन्ध पौधा केन्द्र	**2450.00**						
द) भेषज विकास इकाई									
	1. वेतन आदि मदो में व्ययभार	विभागीय कार्मिको को वेतन आदि तथा कार्यालयों के संचालन के लिए व्यवस्था व्यय का भुगतान	519.00	-			विभाग अन्तर्गत कार्यरत कार्मिको को वेतन आदि की व्यवस्था, विगत वर्ष की अपेक्षा विकास कार्यो से सम्बन्धित विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन में 10 से 20 प्रतिशत तक की वृद्धि प्रस्तावित।	विभाग अन्तर्गत कार्यरत कुल 51 कार्मिको को वेतन आदि का भुगतान किया जायेगा जिससे कार्मिको के द्वारा विकास कार्यो के अन्तर्गत जड़ी– बूटी प्रजातियों का कृषिकरण, प्रशिक्षण व तत्सम्बन्धी प्रचार–प्रसार के कार्यो में विगत वर्ष की अपेक्षा 10 से 20 प्रतिशत वृद्धि प्रस्तावित।	2024–25

क0 सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट (रू0 लाख में)		01.04.2023 की भौतिक स्थिति	31.03.2024 सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2024–25	समय सीमा
			राजस्व	पूँजीगत					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
	16– मानव संसाधन विकास की योजना	जड़ी–बूटी प्रजातियों के कृषिकरण व बन क्षेत्रों में प्राकृतिक रूप से उत्पन्न होने वाले जड़ी–बूटियों के वैज्ञानिक विधि से विदोहन किये जाने सम्बन्धी प्रशिक्षण प्रदान करना, कृषि तकनीक का प्रचार–प्रसार, कर्मचारियों की कौशल अभिवृद्धि, कृषक को एक ही डतरी के नीचे सभी सुविधाए प्रदान किये जाने हेतु भेषज भवनो का निर्माण व परम्परागत फसलों की कृषि से विरत जड़ी–बूटी प्रजातियों का कृषिकरण व जड़ी–बूटी प्रजातियों की लघु कृषि प्रदर्शन इकाइयों की स्थापना का कार्य।	8.00	-	1. कृषक प्रशिक्षण शिविर–20 2. लाभार्थी संख्या– 1112 3.जड़ी–बूटी कृषिकरण–206 है0 4.लाभार्थी संख्या–3210 5.जड़ी बूटी संग्रहण–1000 मै0 टन 6. जडी–बूटी व्यवसाय–200 टन 7. राजस्व जमा–रू0 2.00 करोड़	1. कृषक प्रशिक्षण शिविर–29 2. लाभार्थी संख्या–1700 3.कौशल अभिवृद्धि प्रशिक्षण–02 4.कार्मिक संख्या–30 5.जड़ी–बूटी कृषिकरण–206 हैं0 6.लाभार्थी संख्या–3210 7.जड़ी बूटी उत्पादन–1000 मै0 टन 8. जडी–बूटी व्यवसाय–2000 टन 9. राजस्व जमा–रू0 2.00 करोड़	1. कृषक प्रशिक्षण शिविर–35 2. लाभार्थी संख्या–1750 3.कौशल अभिवृद्धि प्रशिक्षण–02 4.कार्मिक संख्या–30 5. कार्यशाला–02 6.जड़ी–बूटी कृषिकरण–257 हैं0 7.लाभार्थी संख्या–3500 8.जड़ी बूटी उत्पादन–1200 मै0 टन 9. जडी–बूटी व्यवसाय–2200 टन 10. राजस्व जमा–रू0 2.50 करोड़	जड़ी–बूटियों के उत्पादन को बढावा एवं राज्य में जड़ी–बूटियों के संरक्षण,वैज्ञानिक विधि से विदोहन/सग्रहण तथा विपणन कराना	2024–25
	18– भेषज कृषि विकास की योजना		50.00	-					पंचवर्षीय योजना
	32–राजकीय एवं भेषज संघों की नर्सरियों के विकास व संवर्धन की योजना	जड़ी–बूटी प्रजातियों के कृषिकरण के लिए नर्सरी विकास एवं रोपण सामग्री का उत्पादन	-	-	–	जड़ी–बूटी प्रजातियों के कृषिकरण के लिए नर्सरी विकास एवं रोपण सामग्री का उत्पादन	3 वर्ष	जड़ी–बूटी प्रजातियों के कृषिकरण के लिए नर्सरी विकास एवं रोपण सामग्री के रूप में विभिन्न प्रजातियों की पौंध उत्पादन	3 वर्ष
		योग भेषज विकास इकाई	**577.00**	-					

क0 सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट (रू0 लाख में)		01.04.2023 की भौतिक स्थिति	31.03.2024 सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2024–25	समय सीमा
			राजस्व	पूँजीगत					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
य) रेशम									
1	2401–फसल कृषि कर्म–आयोजनेत्तर–119– बागवानी और सब्जियों की फसलें–07–शहतूत की खेती एवं रेशम विकास– 0701– अधिष्ठान	रेशम विभाग के कार्यकमों का समग्र विकास एवं प्रसार करना तथा अधिकारियों/कर्मचारियों के वेतन भत्ते आदि का भुगतान।	1755.02	-	–	–	कुल स्वीकृत पद–339 वर्तमान में कार्यरत–212 कोया उत्पादन लक्ष्य–320 मी0टन कीटपालक परिवार सं0– 10000	राज्य के कृषक परिवारों को रेशम उद्योग के माध्यम से स्वरोजगार नर्सरीकर्ताओं, वृक्षारोपकों, धागाकारों तथा बुनकरों को विभागीय योजनाओं के माध्यम से रोजगार के अवसर सुलभ कराना।	2024–25
2	शहतूत वृक्षारोपण योजना	योजना का उद्देश्य विभागीय चॉकी कीटपालन केन्द्रों के साथ–साथ कृषकों की निजी भूमि पर उन्नतशील शहतूत प्रजातियों का फुटकर वृक्षारोपण करते हुये रेशम कीटपालन हेतु प्रचुर मात्रा में भोज्य पौध तैयार करना है।	283.20	-	शहतूत पौध रोपण–150000 संख्या	शहतूत पौध रोपण–150000 संख्या	शहतूत पौध रोपण–175000 संख्या	वृक्षारोपण कार्य कर शहतूती रेशम उत्पादन हेतु पौध सम्पदा में वृद्धि करना तथा रेशम कृषकों को रासायनिक खाद पर निर्भरता को कम करते हुए जैविक कृषिकरण को उत्प्रेरित करना।	2024–25
		कीटपालन कार्य के उपरान्त रेशम कीट अवशेषों, अप्रयुक्त पत्तियों तथा एफ0 वाई0एम0 के द्वारा जैविक खाद तैयार करना एवं जैविक खाद का उपयोग।			जैविक खाद 28 टन	जैविक खाद 30 टन	जैविक खाद – 30 टन		
		चॉकी कीटपालन हेतु कीटपालन कक्षों का निर्माण तथा पुराने भवनों का जीर्णोधार, तथा चॉकी कीटपालन उद्यानों की फैन्सिंग निर्माण व मरम्मत आदि।			10	10	चाकी भवनों का जीर्णोधार, सुरक्षा दीवर निर्माण एवं मरम्मत – 10 सं0	राज्य में रेषमोद्योग की आधारभूत अवस्थापनाओं के विकास से आगामी वर्षों हेतु सुदृढ धरातल प्राप्त होगा।	

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट (रू0 लाख में)		01.04.2023 की भौतिक स्थिति	31.03.2024 सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2024–25	समय सीमा
			राजस्व	पूँजीगत					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
		प्रदेश में कुशल मानव संसाधनों का विकास करना तथा लाभार्थियां को रेशम उद्योग की नवीनतम तकनीकियों की जानकारी उपलब्ध कराना।			प्रशिक्षणार्थी–600	प्रशिक्षणार्थी–600	प्रशिक्षणार्थी– 650	प्रदेश में कुशल मानव संसाधनों का विकास करना जिससे आगामी वर्षों में कोया उत्पादन में वृद्धि एवं किसानों की आय में वृद्धि होगी।	
		रेशम कीटपालकों को कीटाण्ड मूल्य भुगतान में सहायता उपलब्ध कराना है ताकि निर्बलवर्गीय कृषक अल्प मूल्य पर रेशम कीटाण्ड प्राप्त कर कीटपालन कार्य कर सके।			6.95 लाख डी0एफ0एल्स	7.00 लाख डी0एफ0एल्स	कीटपालन– 7.00 लाख डी0एफ0एल्स	आर्थिक रूप से कमजोर कीटपालकों को कम मूल्य पर कीटाण्ड उपलब्ध कराना जिससे रेशम कीटपालकों की संख्या व कोया उत्पादन में पर्याप्त वृद्धि होगी।	
		प्रदेश में प्राकृतिक रूप से उपलब्ध प्रचुर वन सम्पदा का दोहन कर गैर शहतूती रेशम कीटपालन कार्य से रोजगार के अवसरों को जुटाना है तथा विभागीय केन्द्रों पर गैर शहतूती पौधालयों की स्थापना, भोज्य पौधों का उत्पादन तथा क्षेत्रों में रोपण करना है।			वृक्षारोपण–68000 उत्पादन– 2.47 लाख	वृक्षारोपण–70000 उत्पादन –5.0 लाख	वृक्षारोपण– 50000 कोया उत्पादन– 5.0 लाख	उद्योगशून्य क्षेत्रों में प्राकृतिकरूप से उपलब्ध प्रचुर वन सम्पदा तथा विकसित किये गये नये क्षेत्रों का विदोहन करते हुए वन्या रेशमक कोया उत्पदान एवं रोजगार के अवसरों में वृद्धि।	
		बीज संगठन को सुदृढीकृत करते हुए रेशम कीटाण्डों का उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना है।			0.75 लाख डी0एफ0 एल्स	0.80 लाख डी.एफ. एल्स	कीटाण्ड उत्पादन– 1.5 लाख डी0एफ0एल्स	कीटाण्ड उत्पादन में आत्मनिर्भरता।	
		प्रदेश में कीटपालकों द्वारा उत्पादित किये जा रहे रेशम कोये का त्वरित निस्तारण तथा कोया उत्पादकों को उनके उत्पाद की गुणवत्ता के आधार पर मूल्य भुगतान व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु कोया बाजारों का उच्चीकरण करना है।			4 कोया बाजारों का उच्चीकरण	4 कोया बाजारों का उच्चीकरण	कोया बाजारों का उच्चीकरण–4	कोया बाजार में आधारभूत अवस्थापना सुविधाओं के विकास जिससे आगामी वर्षों में कोया विपणन हेतु सुदृढता प्राप्त होगी।	

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट (रू0 लाख में)		01.04.2023 की भौतिक स्थिति	31.03.2024 सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2024–25	समय सीमा
			राजस्व	पूँजीगत					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
3	यू0सी0आर0एफ0 का सुदृढीकरण	रेशमोद्योग के कोसोत्तर विकास कार्यक्रमों जैसे–कोया बाजारों का संचालन, कोया मूल्य भुगतान, रेशम, रीलिंग, टिवस्टिंग, डाईंग, डिजायनिंग, विविंग तथा मार्केटिंग आदि गतिविधियों के संचालन हेतु सहकारी शीर्ष संस्था यू.सी.आर.एफ. को सुदृढ बनाना।	154.50	-	कोया उत्पादन– 301.75 मै0टन	कोया उत्पादन– 315.00 मै0टन	320 मै0टन कोये का निस्तारण	रेशमोद्योग के समस्त ऊर्ध्वगामी कार्यों के समन्वय में प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा तथा प्रभावी विपणन व्यवस्था के कारण उत्पादन क्षेत्र को भी तत्काल लाभ मिलेगा।	2024–25
		प्रदेश में रेशम वस्त्रों के उत्पादन हेतु नये बुनाई करघो तथा पावरलूम की स्थापना, पुराने करघों का उच्चीकरण, कच्चे माल उपलब्ध कराना।			वस्त्रोत्पादन– 30 हजार मी0	वस्त्रोत्पादन– 40 हजार मी0	वस्त्रोत्पादन– 45 हजार मी0	राज्य में रेशम वस्त्र बुनाई गतिविधि को बल मिलेगा जिससे प्रदेश में उत्पादित रेशम धागे की स्थानीय खपत व रोजगार में वृद्धि होगी।	
		योजना का उद्देश्य फेडरेशन द्वारा क्रय किये गये रेशम कोये की रीलिंग करते हुए मूल्य सम्बर्धन तथा लाभार्जन करना है।			धागा उत्पादन– 2.5 मै0टन	धागा उत्पादन– 3.5 मै0टन	धागा उत्पादन– 3.5 मै0टन	सहकारी क्षेत्र में धागाकरण का विकास तथा मूल्य संवर्द्धन।	
		प्रदेश के रेशम सहकारी समितियों को रेशम विकास सम्बन्धी गतिविधियों के संचालन में स्वावलम्बी एवं दक्ष बनाना।			सहकारी समिति–30	सहकारी समिति–30	लाभान्वित सहकारी समितियां – 35	प्रदेश की रेशम सहकारी समितियों को रेशमोत्पादन कार्य में आत्मनिर्भर बनाना।	

क0 सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट (रू0 लाख में)		01.04.2023 की भौतिक स्थिति	31.03.2024 सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2024–25	समय सीमा
			राजस्व	पूँजीगत					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
4	केन्द्रपोषित सिल्क समग्र योजना (राज्यांश)	भारत सरकार द्वारा प्रदेश में सिल्क समग्र योजना का संचालन प्रारम्भ किया गया है जिसके अन्तर्गत सामान्य, एस0सी0एस0पी0 व टी0एस0पी0 में नये रेशम क्लस्टर्स विकसित कर लाभार्थियों को कीटपालन कक्षों का निर्माण व टूलकिट्स आपूर्ति हेतु सहायता उपलब्ध कराना है।	146.75	-	वृक्षारोपण–300 कीटपालन उपकरण–300 कीटपालन कक्ष–300	वृक्षारोपण–200 कीटपालन उपकरण–200 कीटपालन कक्ष–200	वृक्षारोपण– 400 कीटपालन उपकरण– 400 कीटपालन कक्ष–400	सहकारी क्षेत्र में धागाकरण का विकास।	2024–25
5	रेशम कोया उत्पादकों को रेशम फसलों हेतु प्रोत्साहन सहायता, सहकारी समितियों को कार्यपूंजी, जैविक रेशम, रेशम वस्त्र विकास व रेशम प्रशिक्षण	योजना का उद्देश्य प्रतिकूल प्राकृतिक कारणों से रेशम कोया उत्पादन से कीटपालकों को हुई आर्थिक क्षति की प्रतिपूर्ति करना है।	60.50	-	10 मै0टन	50 मै0टन	50 मै0टन	रेशम कीटपालकों को प्राकृतिक कारणों से होने वाली आर्थिक क्षति से सुरक्षा प्रदान करना है।	2024–25
		योग रेशम	**2399.97**	-					
र) चाय विकास बोर्ड, अल्मोड़ा									
1	राज्य में चाय विकास योजना	राज्य में चाय उत्पादन कर रोजगार सृजन को बढावा	1899.26	-	बागान रखरखाव–1434 है0, नया पौध रोपण–24.00 है0, नर्सरी रखरखाव–36.16 लाख पौध व 0.89 लाख किग्रा0 प्रसंस्कृत चाय, 0.80 लाख किलोग्राम प्रसंसकृत चाय की विक्री एवं 4.25 लाख किलोग्राम हरी पत्तियों का उत्पादन किया गया तथा कर्मियों का वेतन भत्ते आदि।	बागान रखरखाव–1432 है0, नया पौध रोपण–64 है0, नर्सरी स्थापना–59 लाख पौध व 1.09 लाख किग्रा0 प्रसंस्कृत चाय, 1.09 लाख किलोग्राम प्रसंसकृत चाय की विक्री एवं 4.85 लाख किलोग्राम हरी पत्तियों का उत्पादन किया गया तथा कर्मियों का वेतन भत्ते आदि।	बागान रखरखाव– 1369 है0, नया पौध रोपण– 120 है0, नर्सरी रखरखाव–47 लाख पौध, नयी नर्सरी स्थापना– 31 लाख पौध, प्रसंस्कृत चाय, 1.44 लाख किलोग्राम प्रसंसकृत चाय की विक्री एवं 6.44 लाख किलोग्राम हरी पत्तियों का उत्पादन तथा कर्मियों का वेतन भत्ते आदि।	चाय उत्पादन से पर्वतीय क्षेत्रों में रोजगार सृजन, पलायन में कमी व टी–टूरिज्म को बढ़ावा। साथ ही बोर्ड की आय में वृद्धि।	2024–25
		योग चाय	**1899.26**	-					
		महायोग (उद्यान + हर्बल सैक्टर + रेशम + चाय)	**47495.98**	**13100.00**					

वित्तीय वर्ष 2024–25 के बजट सत्र हेतु विभागीय आउटकम इण्डीकेटर

फोकस एरिया (Focus Area)							
सेब	कीवी	ड्रेगन फ्रूट	संरक्षित खेती (पॉलीहाउस)	मशरूम उत्पादन	मौनपालन	सब्जी उत्पादन	खाद्य प्रसंस्करण क्षमता में वृद्धि

आउटकम संकेतक (Outcome Indicator) एवं पंचवर्षीय लक्ष्य

क्र0 सं0	आउटकम संकेतक (Outcome Indicator)	31.03.2023 की स्थिति	वर्षवार लक्ष्य						अभ्युक्ति
			2023–24	2024–25	2025–26	2026–27	2027–28	2028–29	
01	**सेब की खेती**								
	i- क्षेत्रफल विस्तार (है0)	11327	12000	13000	14500	16000	18000	20000	सेब का क्षेत्रफल एवं उत्पादन वृद्धि मुख्य रूप से सेब की अति सघन बागवानी योजना, बागवानी मिशन, मुख्यमंत्री एकीकृत बागवानी विकास एवं जायका योजनान्तर्गत किया जायेगा।
	ii- उत्पादन (मै0टन)	43329	48000	58500	72500	96000	117000	140000	
02	**कीवी की खेती**								
	i- क्षेत्रफल विस्तार (है0)	683	725	850	1000	1250	1500	1800	मुख्यमंत्री राज्य कृषि विकास योजना, राज्य सैक्टर, बागवानी मिशन एवं जायका योजनान्तर्गत किया जायेगा।
	ii- उत्पादन (मै0टन)	382	725	1065	1500	2200	2850	3600	
03	**ड्रेगन फ्रूट की खेती**								
	i- क्षेत्रफल विस्तार (है0)	14	50	100	200	300	400	500	मुख्यमंत्री राज्य कृषि विकास योजना, राज्य सैक्टर की उच्च गुणवत्तायुक्त फल पौध योजना एवं बागवानी मिशन योजनान्तर्गत किया जायेगा।
	ii- उत्पादन (मै0टन)	70	250	600	1400	2250	3200	4250	
04	**संरक्षित खेती**								
	i- पॉलीहाउस स्थापना (100 वर्गमीटर आकार के)	28000	29000	40000	55000	70000	80000	100000	जिला सैक्टर, बागवानी मिशन, नाबार्ड एवं राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड योजनान्तर्गत किया जायेगा।
05	**पुष्पों की खेती**								

क्र0 सं0	आउटकम संकेतक (Outcome Indicator)	31.03.2023 की स्थिति	वर्षवार लक्ष्य						अभ्युक्ति
			2023–24	2024–25	2025–26	2026–27	2027–28	2028–29	
	i- क्षेत्रफल विस्तार (है0)	669	700	800	1000	1250	1600	2000	जिला सैक्टर, बागवानी मिशन, नाबार्ड एवं राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड योजनान्तर्गत किया जायेगा।
	ii- लूज फ्लावर उत्पादन (मै0टन)	2347	2500	3000	3500	4000	5000	7000	
	iii- कट फ्लावर उत्पादन (करोड़ स्पाईक)	6.07	8.00	10.00	14.00	16.00	20.00	25.00	
05	**मशरूम**								
	i- उत्पादन (मै0टन)	19500	21000	25000	30000	38000	45000	50000	जिला सैक्टर, बागवानी मिशन एवं राज्य सैक्टर योजनान्तर्गत किया जायेगा।
06	**मौनपालन**								
	i- शहद उत्पादन (मै0टन)	1600	1800	2000	2400	3200	4000	5000	जिला सैक्टर, राज्य सैक्टर एवं राष्ट्रीय मधुमक्खीपालन व शहद मिशन (NBHM) योजनान्तर्गत किया जायेगा।
07	**सब्जी**								
	i- उत्पादन (लाख मै0टन)	6.86	7.50	8.50	10.00	12.00	14.00	16.00	जिला सैक्टर, राज्य सैक्टर, केन्द्रपोषित एवं नाबार्ड योजनान्तर्गत किया जायेगा।
08	**औद्यानिक फसलों का परिदृष्य**								
	i- क्षेत्रफल विस्तार (लाख है0)	1.76	1.80	1.85	1.90	1.95	2.00	2.10	जिला सैक्टर, राज्य सैक्टर, केन्द्रपोषित, नाबार्ड एवं जायका आदि योजनान्तर्गत किया जायेगा।
	ii- उत्पादन (लाख मै0टन)	11.54	12.50	13.50	15.00	16.50	18.00	20.00	
09	**खाद्य प्रसंस्करण**								

क्र0 सं0	आउटकम संकेतक (Outcome Indicator)	31.03.2023 की स्थिति	वर्षवार लक्ष्य						अभ्युक्ति
			2023–24	2024–25	2025–26	2026–27	2027–28	2028–29	
	i- क्षमता वृद्धि (प्रतिशत में)	13%	13.50%	14%	15%	16%	17%	18%	बागवानी मिशन, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना (PMFME), राज्य खाद्य प्रसंस्करण मिशन एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की किसान सम्पदा योजनान्तर्गत किया जायेगा।
10	**औद्यानिक फसलों की सिंचन क्षमता में वृद्धि**								
	i- ड्रिप/स्प्रिंक्लर सिंचाई प्रणाली के अन्तर्गत आच्छादित क्षेत्रफल (है0)	45133	50000	55000	61000	70000	80000	100000	प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई विकास योजना (PMKSY) के Per Drop More Crop के अन्तर्गत किया जायेगा।

****